बिहार राज्य भवन निर्माण निगम लिमिटेड

An ISO 9001:2008, 14001:2004 & OHSAS 18001:2007 Certified Company
बिहार सरकार का एक उपक्रम
वेबसाइट: www.bsbccl.bih.nic.in

BSBCCL

BIHAR STATE BUILDING CONSTRUCTION CORPORATION LTD.

An ISO 9001:2008, 14001:2004 & OHSAS 18001:2007 Certified Company
A Government of Bihar Undertaking
Website: www.bsbccl.bih.nic.in

Build Green, Live Green!
CIN:U45200BR2008SGC013513

पत्रांक : बी0एस0बी0सी0सी0एल0–103/2016–परामर्शी सेवा 2636 दिनांक : 17/10/2016

प्रेषक,

अमृत लाल मीणा,
प्रबंध निदेशक,

सेवा में,

उप महाप्रबंधक
बिहार राज्य भवन निर्माण निगम लि0,
परियोजना कार्यान्वयन इकाई,
मुजफ्फरपुर।

विषय:–माह सितम्बर, 2016 तक की समीक्षात्मक टिप्पणी।

महाशय,

माह सितम्बर, 2016 तक परियोजना कार्यान्वयन इकाई मुजफ्फरपुर के अन्तर्गत योजनाओं की निगम स्तर पर समीक्षा की गयी। समीक्षात्मक टिप्पणी निम्नवत् है।

2. भौतिक प्रगति

(i) PHC to CHC उत्क्रमण का कार्य:

इस योजना के अन्तर्गत 47 अद्द कार्य कराये जाने थे। इन में से 43 अदद कार्य पूर्ण किये जा चुके है तथा 03 अद्द प्रगति में है। 01 अद्द योजना स्थल उपलब्ध नहीं रहने के कारण प्रारम्भ नहीं हो सकी है।

(ii) 550 परम्परिक गोदाम निर्माण की योजना:

इस योजना के अन्तर्गत कुल 38+77=115 अद्द पारम्परिक गोदाम निर्माण की योजना का कार्यान्वयन कराया जाना था। इन योजनाओं में से 12 अद्द योजनाएँ स्थगित की गयी है। शेष 103 अद्द योजनाएँ पूर्ण की जा चुकी है।

(iii) 144 PEB गोदाम निर्माण योजना :

इस योजना के अन्तर्गत कुल 0+74=74 अद्द PEB गोदाम का निर्माण कार्य करना था। अब तक कोई भी योजना पूर्ण नहीं है। 52 अद्द स्थलों पर योजना के प्रगति में तथा 15 जगह स्थल उपलब्ध नहीं रहने की सूचना दी गयी है। 07 अद्द योजना प्रशासी विभाग द्वारा रद्द की जा चुकी है।

(iv) प्रेस क्लब का निर्माण कार्य :

इस योजना के अन्तर्गत कुल 05 अद्द प्रेस क्लब के निर्माण कार्य की योजना का कार्यान्वयन कराया जा रहा है। इन योजनाओं में से 02 अद्द योजना का कार्य पूर्ण होने तथा 03 अद्द योजना की प्रगति में रहने की सूचना दी गयी है।

(v) पशुपालन एवं मत्स्य विभाग की योजना :

इस योजना के अन्तर्गत कुल 04 अदद पशु चिकित्सालय का निर्माण किया जाना है। इन योजनाओं में से 03 अद्द योजना पूर्ण, 02 अद्द प्रगति में है।

(vi) समाज कल्याण विभाग :

इसके अन्तर्गत 03 पर्यवेक्षणगृह का निर्माण कराया जाना था। इस योजना में से 01 अद्द पूर्ण हो चुका है तथा 02 अदद योजना स्थल अनुपलब्ध रहने के कारण प्रारम्भ नहीं हो सका है।

(vii) विधि विभाग :

इस विभाग की 01 अदद योजना का कार्यान्वयन किया जा रहा है। योजना प्रगति पर है।

(viii) सिविल विमानन विभाग :

इस विभाग की 01 अदद योजना आपको दी गयी है। बेत्तिया में अब तक स्थल नहीं मिलने के कारण योजना प्रारम्भ नहीं किया गया है।

(ix) कला , संस्कृति एवं युवा विभाग :

इस विभाग की 09 अद्द योजनाओं का कार्यान्वयन किया जाना है। इनमें से 07 अद्द योजना पूर्ण हो चुकी है। तथा 02 अद्द योजना स्थल उपलब्ध नहीं रहने के कारण प्रारम्भ नहीं हो सकी है।

(x) कृषि विभाग :

इस विभाग की 01 अद्द योजना का कार्यान्वयन कराया जाना था। कार्य प्रगति में है। योजना को शीघ्र पूर्ण करना सुनिश्चित करें।

(xi) बिहार राज्य बीज निगम लि0:

अहयापुर, मुजफ्फरपुर में 1000 मे0 टन गोदाम निर्माण कराना था। भूमि उपलब्ध नहीं रहने के कारण योजना आरम्भ नहीं हो सकी है। योजना का निर्माण सम्भव नहीं है तो इसे बन्द करने का प्रस्ताव दें।

(xii) बीज प्रमाणन एजेन्सी:

इस विभाग की 01 अद्द योजना प्राप्त हुई थी जो पूर्ण हो चुकी है।

(xiii) राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग:

शिवहर के न्यायालय बनाने का कार्य पूर्ण हो चुका है।इसे हस्तानान्तरित भी किया जा चुका है।

(xiv) अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति कल्याण विभाग :

इसके अन्तर्गत 06 अद्द योजनाओं का कार्यान्वयन किया जाना था। इनमें से 03 अद्द योजनाएँ पूर्ण हो चुकी है तथा 03 अदद योजनाएँ प्रगति में है।

(xv) विज्ञान एवं प्रावैधिकी विभाग:

इसके अनतर्गत एम0आई0टी0 मुजफ्फरपुर में छात्रावास निर्माण का कार्य पूर्ण हो चुका है। शीघ्र हस्तानान्तरण की कार्रवाई करें।

(xvi) उद्योग विभाग:

इस विभाग की 02 अद्द योजनाओं का कार्यान्वयन कराया जाना था। दोनों योजना प्रगति पर है। कार्य समाप्ति की तिथि 19.10.2016 एवं 24.10.2016 है। प्रगति असंतोषजनक है। योजना की प्रगति में तेजी लायें तथा शीघ्र पूर्ण करें।

(xvii) अल्पसंख्यक कल्याण विभाग :

इसके अन्तर्गत कुल 10 अद्द योजनाओं का कार्यान्वयन किया जाना था। इनमें से 05 अद्द योजना प्रगति में है तथा 05 अद्द योजना स्थल अनुपलब्ध रहने के कारण प्रारम्भ नहीं हो सकी है।

(xviii) बुनियाद केन्द्र :

पुराने भवनों का जीर्णोद्धार कर बुनियाद केन्द्र निर्माण की 03 अद्द योजनाओं में से 01 अद्द योजना पूर्ण हो चुका है। 01 अद्द प्रगति में है तथा 01 अद्द रद्द की जा चुकी है।

उपर्युक्त सभी कार्यों का भौतिक प्रतिवेदन आपके द्वारा न ही प्राप्त हो रहा है और न ही कार्यों का कोई टाईम लाईन दिया गया हैं इस कारणवश कार्यों के भौतिक प्रगति की समीक्षा नहीं हो सकी है। वैसी योजनाएँ जिसके लिये स्थल उपलब्ध नहीं है तथा उसके लिये स्थल उपलब्ध होने की कोई सम्भावना नहीं है, उन्हें रद्द करने का प्रस्ताव दिया जाये।

प्रत्येक माह के 25 तारीख तक का प्रगति प्रतिवेदन निश्चित रूप से उस माह के 25 से 30 तारीख के बीच प्रोजेक्ट मैनेजर को उपलब्ध करा दें। परिक्षेत्राधीन कार्यों के अवशेष कार्य की योजना का टाईम लाईन सम्वेदक की सहमति से तैयार कर उनसे हस्ताक्षरित कराकर निगम को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। अगले प्रगति प्रतिवेदन में टाईम लाईन के अनुरूप भौतिक तथा वित्तीय लक्ष्य तथा उपलब्धि प्रतिवेदन में अंकित किया जाये।

2. <u>वित्तीय प्रगति</u>

परिक्षेत्राधीन कार्यान्वित कुल 239 अद्द योजनाओं के एकरारित ₹47340.02 लाख के विरूद्ध अब तक कुल ₹22983.46 लाख का व्यय किया गया है। इस प्रकार आपकी वित्तीय उपलब्धि मात्र 48% है।

3. पी0एम0आई0एस0 एवं प्रबंधन :

आपके द्वारा कार्य का फोटोग्राफ upload नहीं किया जा रहा है। कृपया कार्यान्वित तथा पूर्ण सभी कार्यों का अद्यतन फोटो upload किया जाए।

4. मासिक लेखा :

वर्ष 2016–17 के प्रथम तिमाही एवं द्वितीय तिमाही का लेखा 03 माह से अधिक की अवधि व्यतीत हो जोने के बावजूद भी निगम मुख्यालय को उपलब्ध नहीं कराया गया है। कृपया शीघ्र दोनों तिमाही का लेखा उपलब्ध करावें। अगले माह से प्रत्येक माह का मासिक लेखा महाप्रबंधक (वित्त) को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।

5. गुण नियंत्रण :

आपके परिक्षेत्राधीन गुण नियंत्रण प्रयोगशाला पूर्व से स्थापित है किन्तु इस प्रयोगशाला में जाँच किये गये नमूनों का जाँच फल निगम को अब तक अप्राप्त है। अगले माह से प्रयोगशाला में जितने भी जाँच किये जाएँ उसके जाँचफल की एक प्रति महाप्रबंधक (गुण नियंत्रण) को उपलब्ध कराया जाये।

6. पूर्ण कार्यों का अन्तिम विपत्र :

परियोजना कार्यान्वयन इकाई, मुजफ्फरपुर को प्राप्त कुल 287 अदद योजनाओं में से 239 अदद योजनाओं का कार्यान्वयन कराया जा रहा है। कार्यान्वित इन 239 अदद योजनाओं में से 166 अदद योजनाएँ अब तक पूर्ण हो चुकी है। पूर्ण योजनाओं का यदि अन्तिम विपत्र तैयार कर लिया गया है तो इसकी सूचना दी जाये तथा अन्तिम विपत्र के अनुसार कार्य की लगत राशि बताया जाय। यदि पूर्ण योजनाओं का अन्तिम विपत्र तैयार नहीं किया गया है तो अन्तिम विपत्र शीघ्र तैयार करना सुनिश्चित करें।

उपर्युक्त के परिपेक्ष्य में आपके परियोजना कार्यान्वयन इकाई का कार्य–कलाप सामान्य नहीं कहा जा सकता है। आपको संवेदनशील होने एवं योजनाओं का ससमय पूर्ण कराने के प्रयास करने की आवश्यकता है। आपको निर्देश है कि सभी विन्दूओं पर तीन सप्ताह के अन्दर की गयी कार्रवाई से सम्बन्धित (Action taken report) प्रतिवेदन समर्पित किया जाये।

विश्वासभाजन

17/7/16

(अमृत लाल मीणा)